अनुराग ठाकुर सशक्त उम्मीदवारः कांग्रेस अभी तक टिकट पर माथापच्ची में जुटी

हमीरपुर में भाजपा और कांग्रेस के दिग्गजों की साख लगी है दांव पर

गौरी दास

शिमला (जगमार्ग न्यूज)। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र हिमाचल के कई राजनीतिक दिग्गजों के भविष्य का फैसला करेगा। दोनों प्रमुख दलों के स्थापित नेताओं की इस चुनाव में कड़ी परीक्षा होगी। कांग्रेस के वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री इसी संसदीय क्षेत्र से आते हैं। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर जो भाजपा उम्मीदवार भी हैं की साख भी दांव पर लगी है। अनुराग ठाकुर हालांकि बहुत सशक्त उम्मीदवार हैं, मगर कांग्रेस भी यहां उन्हें हराने के लिए अभी तक टिकट पर माथापच्ची में जुटी है।

इस लोकसभा क्षेत्र के राजनीतिक इतिहास पर नजर दौड़ाई जाए तो 1977 के बाद इस सीट पर ज्यादातर भाजपा का कब्जा रहा है। भाजपा यहां इतनी मजबूत है कि कांग्रेस पिछले कई साल से लगातार हार रही है। उनकी हार का सूखा खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। 1952 में पहले चुनाव में यहां से आनंद चंद ने निर्दलीय चुनाव जीता था। 1967 में यहां प्रेम चंद वर्मा कांग्रेस के टिकट पर जीते। 1971 में पहली बार यहां ओबीसी तबके के नारायण चंद पराशर को कांग्रेस ने टिकट दिया और वह जीतने में सफल हुए। 1977 में जनता लहर में उन्हें ठाकुर रणजीत सिंह ने पराजित कर दिया। मगर 1980 व 1984 के दो चुनाव में नारायण चंद पराशर लगातार इस सीट से जीतने में सफल रहे।

1989 में यहां पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने भाजपा की झोली में यह सीट डाली। वह फिर से 1991 में यहां से जीते। 1996 में कांग्रेस के विक्रम सिंह ने अंतिम बार कांग्रेस की झोली में इस सीट को डाला। उसके बाद से लगातार यह सीट भाजपा के कब्जे में रही। 1998, 1999 व 2004 में यहां से भाजपा नेता सुरेश चंदेल ने लगातार तीन जीत हासिल की। मगर संसद में प्रश्न पूछे जाने वाले मामले में रिश्वत का जिक्र आने के बाद उनका राजनीतिक कैरियर यहीं खत्म हो गया।

अनुराग 2019 जीतकर बने हैं मंत्री

2019 में भाजपा ने फिर से अनुराग ठाकुर को यहां से टिकट दिया। ठाकुर जीत कर केंद्र में कैबिनेट मंत्री बने। उन्हें सूचना व प्रसारण एवं खेल व युवा मंत्रालयों का महत्वपूर्ण कार्यभार मिला। इस बार फिर से चुनाव मैदान में हैं। काफी दिनों से प्रचार भी शुरू कर चुके हैं। वहीं, कांग्रेस ने पहले यहां सतपाल रायजादा को टिकट देने का फैसला लगभग कर ही लिया था, मगर कांग्रेस आलाकमान को उनकी उम्मीदवारी अनुराग के सामने हल्की लगी, जिसके चलते एक बार आस्था अग्निहोत्री के चुनाव लड़ने की भी चर्चा चली, मगर उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। राजपूत व ब्राह्मण बाहुल्य इस सीट पर पूर्व सैनिकों व कर्मचारियों का भी बड़ा वोट बैंक है। हमीरपुर के साथ ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा की जसवां परागपुर व देहरा सीट हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। मंडी जिला की धर्मपुर विधानसभा भी इसी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। कुल मिलाकर भाजपा इस संसदीय क्षेत्र में हमेशा फंट फुट पर रही है। कांग्रेस ने यहां कई दिग्गज लीडरों को चुनाव लड़ाया, लेकिन सफलता दूर ही रही। अब बड़े जोर-शोर से यहां ऐसे नेता की तलाश की जा रही है, जो अनुराग को न सिर्फ टक्कर दे सके, बल्कि इस सीट को कांग्रेस की झोली में डालकर वर्षों से चले आ रहे जीते के सूखे को खत्म करे।

2008 में शुरू किया राजनीतिक करियर

2008 में पहली दफा अनुराग ठाकुर ने इस सीट से अपने राजनीतिक कैरियर की शुरूआत की, क्योंकि धूमल के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हो गई थी। 2009 में अनुराग फिर से जीतने में कामयाब रहे। 2014 में अनुराग जीते और संसद पहुंचे। 2014 की मोदी लहर में अनुराग ठाकुर जीत कर पहली दफा कैबिनेट में वित्त राज्य मंत्री बने। मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री का गृह लोकसभा क्षेत्र होने से उनके लिए यहां जीतना व हारना सम्मान से जुड़ा है। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और अनुराग ठाकुर दोनों की साख भी राष्ट्रीय राजनीति के परिपेक्ष्य में दांव पर है। इस संसदीय क्षेत्र की गगरेट, कुटलैहड़, बड़सर व सुजानपुर विधानसभाओं में कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे के चलते विधानसभा उप चुनाव भी होना है। ये भी सांसद उम्मीदवारों के हार-जीत के गणित को प्रभावित करेंगे। सुनने में आ रहा है कि हमीरपुर जिला में तो यह नारा भी चल रहा है कि देश का वोट पीएम को, प्रदेश का वोट सीएम को। अब देखना है कि कांग्रेस किसे यहां से चुनाव लड़ाती है। ऊना व बिलासपुर जिलों में जो अपने गढ़ को सुरक्षित रख पाएगा, उसे जीत मिल सकती है।

देश में यूसीसी लागू करना भाजपा का वादा और मोदी की गारंटीः अमित शाह

एजेंसी

गुना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र में व्यक्तिगत धार्मिक कानूनों को बरकरार रखने का वादा किया गया जबकि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का भाजपा का वादा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के लिए, मुसलमानों का देश के संसाधनों पर पहला अधिकार है, लेकिन भाजपा के लिए, गरीबों, दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों और आदिवासियों का पहला अधिकार है। सिंधिया मध्य प्रदेश की गुना लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। शाह ने कहा, कांग्रेस के घोषणापत्र को ध्यान से पढ़ें। उन्होंने कहा है कि वे पर्सनल ला'को फिर से लाएंगे...वे मुस्लिम पर्सनल ला'लाना चाहते हैं। वे तीन तलाक को वापस लाना चाहते हैं...क्या यह देश शरिया (इस्लामी कानून) से चलाया जा सकता है?

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, राहुल बाबा तुष्टिकरण के लिए जो करना है, कर लो। जब तक भाजपा है, कोई पर्सनल ला'नहीं आएगा। यह देश यूसीसी और संविधान से चलेगा। यही हमारे संविधान की भावना है। हमने उत्तराखंड में यूसीसी लागू किया है। उन्होंने कहा, यह हमारा वादा और मोदीजी की गारंटी है कि यूसीसी को पूरे देश में लागू किया जाएगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पांच अगस्त, 2019 को एक झटके में धारा 370 को खत्म कर दिया।

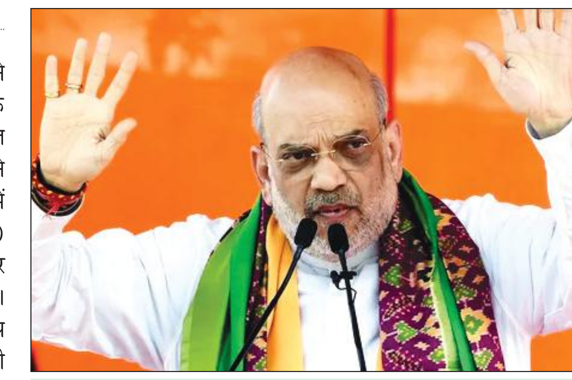

वोट बैंक की खातिर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए राहुल और दिग्विजयः अमित शाह

शाह ने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने के लिए शुक्रवार को कांग्रेस के नेताओं राहुल गांधी तथा दिग्विजय सिंह की आलोचना की और कहा कि उनका यह कदम पूरी तरह वोट-बैंक की राजनीति से प्रेरित था। भाजपा नेता ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस ने लगभग 70 वर्ष तक अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की उपेक्षा की और पीएम मोदी ने इसे वास्तविकता बनाकर 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति के अभिषेक का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा, क्या आप जानते हैं कि राहुल गांधी और दिग्गी राजा (दिग्विजय सिंह) अयोध्या में रामलला की मूर्ति के अभिषेक में क्यों शामिल नहीं हुए? क्योंकि वे अपने वोट-बैंक से डरते हैं और इसलिए, उन्हें कभी माफ नहीं किया जाना चाहिए। शाह राजगढ़ लोकसभा सीट के अंतर्गत खिलचीपुर कस्बे में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे, जहां से रोडमल नागर का मुकाबला कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से है।

जाखड़ चुनाव लड़े तो उनके खिलाफ लड़ूंगाः राजा वड़िंग

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र पंजाब में राजनीतिक माहौल के बारे में जानकारी दी। राहुल गांधी के बारे में भाजपा नेताओं द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणियों के बारे में पूछे गए सवाल पर पीपीसीसी प्रमुख ने कहा, मैं ऐसे लोगों के खिलाफ बयानबाजी करने से दूर हूं। भाजपा और उनके नेताओं ने स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रशासन के निर्देश पर राहुल गांधी का अपमान किया है। भाजपा, आरएसएस और नरेंद्र मोदी द्वारा प्रचारित यह अभियान निराधार है। भाजपा द्वारा देश के वास्तविक मुद्दों जैसे बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई आदि से ध्यान हटाने की एक चाल है। मैं आगे टिप्पणी करने से परहेज करता हूं, जैसा कि राष्ट्र को एक दशक से इस तरह की विभाजनकारी बयानबाजी का सामना करना पड़ रहा है, और मतदाता इस तरह की ध्रुवीकरण की राजनीति को समझने और उसका विरोध करने लगे हैं। आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की चुनावी संभावनाओं को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मुझे विश्वास है कि पंजाब में जनता भाजपा को एक भी सीट नहीं देगी। मैं भाजपा को निमंत्रण देता हूं कि वह अपने सबसे ताकतवर नेता सुनील जाखड़ को पंजाब के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए नामित करे। अगर वह ऐसा करना चाहते हैं तो मैं उनके खिलाफ चुनाव लड़ूंगा और शानदार जीत हासिल करूंगा। समय आ गया है कि भाजपा अपना ट्रम्प कार्ड खेले और पंजाब उसकी विफलता का गवाह बने। इंडिया गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए राजा वड़िंग ने कहा, पंजाब की विशिष्ट पहचान ने आप के साथ गठबंधन से बचने की आवश्यकता महसूस की, और इसे विधिवत स्वीकार किया गया है। पंजाब के सामने खड़ी अनोखी चुनौतियां किसी भी परिस्थिति में आप के साथ किसी भी तरह के सहयोग की संभावना को रोकती हैं। पंजाब कांग्रेस के नेता और उम्मीदवार आप के समकक्षों के साथ मंच सांझा नहीं करेंगे। आप के 13-0 की जीत के दावे के बावजूद, वास्तविकता एक बिल्कुल अलग कहानी का अनावरण करेगी।

- 4 जून को भाजपा की वास्तविकता उसके सामने आ जाएगी
- पंजाब में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिलेगी

कांग्रेस ही हल करेगी जनता समस्याएं

अपनी बात को खत्म करते हुए, वड़िंग ने आगे कहा, भाजपा और केंद्रीय मंच और पंजाब में आप ने झूठे दावे किए हैं, लेकिन समय आ गया है कि सच्चाई की जांच हो। 4 जून को कई पार्टियों की राजनीतिक वास्तविकता सामने आएगी। केवल कांग्रेस ही जनता की चिंताओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकती है, जो कि मतदाताओं द्वारा मान्यता प्राप्त तथ्य है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने हमें जनता की शिकायतों को समझने में सक्षम बनाया है, जिन्हें हमारे घोषणापत्र में सावधानीपूर्वक शामिल किया गया है। कांग्रेस लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करती है और हम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के सत्तावादी शासन को खत्म करने के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस एससी, ओबीसी का कोटा मुसलमानों को देना चाहती हैः नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कांग्रेस पर शुक्रवार को आरोप लगाया कि वह मुसलमानों को लाभ पहुंचाने के लिए अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अधिकारों को छीनना चाहती है तथा यह विपक्षी दल का छिपा हुआ एजेंडा है। कांग्रेस को परंपरागत रूप से वंचित हिंदू समूहों की कीमत पर मुसलमानों के हितों की वकालत करने वाली पार्टी के रूप में पेश करने की भाजपा की कोशिशों को जारी रखते हुए नड्डा ने कहा कि विपक्षी दल अल्पसंख्यक समुदाय को एससी घोषित करने और उसे आरक्षण देने का लंबे समय से आधार बना रहा है।

उन्होंने लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत मतदान जारी रहने के बीच वीडियो के जरिए एक बयान जारी किया। नड्डा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों का है। भाजपा नेता ने कहा कि सिंह ने अप्रैल 2009 में भी इसी तरह की टिप्पणी की थी। कांग्रेस ने दावा किया है कि सत्तारूढ़ दल ने जनता के समर्थन की कमी के मद्देनजर चुनावों के दौरान ध्रुवीकरण करने के लिए झूठ फैलाने और सांप्रदायिक विभाजन का सहारा लिया है। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने कुछ राज्यों में मुसलमानों को आरक्षण देने की कोशिश की है, जिसमें कर्नाटक भी शामिल है, जहां भाजपा सरकार ने आरक्षण समाप्त कर दिया था, लेकिन सिद्धरमैया सरकार फिर से इसे ले आई। उन्होंने कहा कि उसने आंध्र प्रदेश में भी मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया था, लेकिन उच्चतम न्यायालय के आदेश के कारण ऐसा नहीं हो सका।

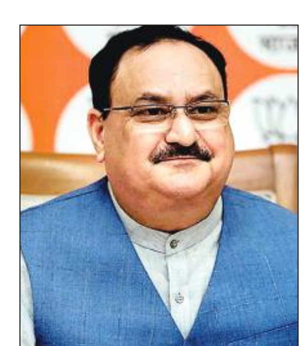

सच्चर कमेटी को लेकर झूठे दावे किए गए

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2009 के अपने चुनावी घोषणापत्र में अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी में उप-कोटा के माध्यम से शैक्षणिक संस्थानों और नौकरियों में मुसलमानों के लिए आरक्षण का वादा किया था। नड्डा ने दावा किया कि 2024 के चुनावी घोषणापत्र में बहुसंख्यकवाद के खिलाफ कांग्रेस का रुख एससी, एसटी और ओबीसी के प्रति उसकी 'नफरत' को रेखांकित करता है क्योंकि वे समाज में बहुसंख्यक हैं। उन्होंने कहा, 'सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के जरिए झूठे दावे किए गए और कहा गया कि मुसलमानों की हालत दलितों से भी बदतर है। इसका मतलब यह है कि कांग्रेस मुसलमानों को एससी घोषित करने के लिए जमीन तैयार कर रही थी ताकि उन्हें दलित होने के कारण आरक्षण दिया जा सके।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बी आर आंबेडकर ने अपने भाषणों में दलितों के कल्याण के बारे में नहीं बोलने के लिए जवाहर लाल नेहरू की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों को छीनने की पुरानी आदत है।

हमने कभी नहीं की मुसलमानों की उपेक्षा, पर दूसरों की कीमत पर अनुचित लाभ के खिलाफ रहे

नड्डा ने कहा कि वह कभी नहीं चाहते कि मुसलमानों की उपेक्षा की जाए लेकिन उन्हें अन्य समुदायों की कीमत पर अनुचित लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अधिक सुरक्षा की जरूरत है, उन्हें ये लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने विपक्षी दल पर मुसलमानों में भी दलित समुदाय होने की धारणा बनाने का आरोप लगाया ताकि अल्पसंख्यक समुदाय को एससी कोटा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया जैसे संस्थानों में वंचित हिंदी समुदायों के लिए आरक्षण समाप्त करने के वास्ते कांग्रेस अदालती फैसलों को पलटने के मकसद से कानून लेकर आई।

भाजपा ने देश के भ्रष्टाचारियों, अपराधियों, माफिया को अपने गोदाम में रख लियाः अखिलेश यादव

एटा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को यहां कहा कि भाजपा ने देश के सभी 'भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और माफिया' को अपने गोदाम में रख लिया है। सपा प्रमुख ने एटा लोकसभा सीट से पार्टी के प्रत्याशी देवेश शाक्य के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए चुनावी बॉण्ड का मुद्दा भी उठाया और दावा किया कि मौजूदा महंगाई की वजह इस चंदे के रूप में की गई वसूली है। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा ने जो चंदा लिया वह चंदा नहीं है, बल्कि वह वसूली है...और भाजपा के लोग चुनावी बॉण्ड के बारे में बात नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, देश में जितने भी भ्र ष्टाचारी, अपराधी, माफिया हैं, भाजपा ने उन्हें अपने गोदाम में रख लिया। उसने इतना बड़ा गोदाम बनाया कि हर दल के लोगों को इसमें जगह दे दी। बैंकों को लूटने और उसके साथ धोखाधड़ी करने वाले लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं। सपा प्रमुख ने राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार पर साजिश के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रश्न पत्र लीक करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह ऐसा इसलिए करती है कि उसे युवाओं को नौकरी न देनी पड़े।

'झूठ प्रचार नड्डा' बन गए हैं भाजपा अध्यक्षः कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के हमले पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि वह 'झूठ प्रचार नड्डा' बन गए हैं और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की टिप्पणियों को गलत संदर्भ में पेश कर रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इस लोकसभा चुनाव में हार सुनिश्चित देकर प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष और सत्तारूढ़ दल के नेता बौखला गए हैं और ऐसे में वे ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। नड्डा ने कांग्रेस पर शुक्रवार को आरोप लगाया कि वह मुसलमानों को लाभ पहुंचाने के लिए अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अधिकारों को छीनना चाहती है तथा यह विपक्षी दल का छिपा हुआ एजेंडा है। नड्डा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों का है। रमेश ने एक बयान में कहा, 'भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के आरोप झूठ पर आधारित हैं। लगता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हवा उनको लग गई है और झूठ प्रचार नड्डा बन गए हैं।' उनका कहना है कि भाजपा अध्यक्ष ने 9 दिसंबर, 2006 को राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में मनमोहन सिंह द्वारा दिए गए भाषण को गलत तरीके से पेश किया है। रमेश के अनुसार, मनमोहन सिंह ने कहा था, मेरा मानना है कि हमारी सामूहिक प्राथमिकताएं बहुत स्पष्ट हैं।

कांग्रेस ने सूरत लोकसभा सीट से प्रत्याशी रहे कुम्भाणी को पार्टी से निलंबित किया

अहमदाबाद। कांग्रेस की गुजरात इकाई ने सूरत लोकसभा सीट के प्रत्याशी रहे नीलेश कुम्भाणी को शुक्रवार को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया। विसंगतियों के कारण कुम्भाणी का नामांकन पत्र खारिज हो जाने से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुकेश दलाल को निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया गया। कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि पार्टी की अनुशासन समिति ने गहन चर्चा के बाद कुम्भाणी को निलंबित करने का फैसला किया है। यह भी बताया कि पार्टी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि नामांकन पत्र उनकी घोर लापरवाही या 'भाजपा से उनकी मिलीभगत' के कारण रद्द हुआ। बाबू पटेल की अध्यक्षता वाली कांग्रेस की अनुशासन समिति ने कहा, 'आपके प्रति निष्पक्ष रहते हुए हमने पूरा मामला समझाने के लिए आपको भरपूर समय दिया है, लेकिन पार्टी अनुशासन समिति के सामने आने के बजाय आप संपर्क से बाहर रहे। अधिकारियों द्वारा आपका फॉर्म खारिज किये जाने के बाद भाजपा ने अन्य आठ नामांकन पत्र भी वापस करवा लिए। इससे सूरत के लोग अपने मताधिकार से वंचित हो गए हैं।' विज्ञप्ति में कहा, 'आपकी इस हरकत से सूरत की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं में रोष है और अलग-अलग तरीके से अपना गुस्सा प्रकट कर रहे हैं। कांग्रेस ने आपको छह साल के लिए पार्टी से निलंबित करने का फैसला किया है।' कुम्भाणी का नामांकन पत्र 21 अप्रैल को खारिज कर दिया गया था क्योंकि उनके तीन प्रस्तावकों ने जिला निर्वाचन अधिकारी को हलफनामा देकर दावा किया था कि दस्तावेज पर हस्ताक्षर उनके नहीं थे।

बैलगाड़ी, व्हील चेयर समेत अन्य साधनों के जरिए मतदान केंद्रों तक पहुंचे लोग

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दौरान मतदाताओं को अलग-अलग तरीके से मतदान केंद्रों तक पहुंचते हुए देखा गया। इस दौरान कहीं, एक ही परिवार की तीन पीढ़ियां और दूल्हा-दुल्हन मतदान केंद्रों पर कतार में खड़े हुए देखे गए जबकि कोई बैलगाड़ी में मतदान केंद्र तक पहुंचा तथा सौ साल के कुछ लोग व्हीलचेयर पर वोट डालने पहुंच रहे हैं।

बेंगलुरु में, कई रेस्तरां द्वारा मतदान करने वाले ग्राहकों को डोसा, लड्डू, कॉफी और अन्य खाद्य पदार्थ मुफ्त अथवा रियायती दरों पर देने की घोषणा के बाद रेस्तरां के बाहर लंबी कतारें देखी गई। छत्तीसगढ़ के कांकेर संसदीय क्षेत्र के सिवनी गांव में एक मतदान केंद्र को %मंडप% की तरह सजाया गया था और पारंपरिक विवाह अनुष्ठानों को प्रदर्शित किया गया था। पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे कई दूल्हे-दुल्हन वोट डालने के लिए कांकेर, राजनांदगांव और महासमुंद लोकसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर पहुंचे।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक मतदान केंद्र पर कुछ महिला मतदाता बैलगाड़ी पर सवार होकर ढोलक बजाते हुए पहुंचीं।

राजस्थान के कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र में 108 वर्षीय भूरी बाई को उनके परिवार के सदस्य व्हीलचेयर में गुंजारा मतदान केंद्र पर लाए, जिसके बाद उन्होंने अपना वोट डाला। जबकि 102 साल के हाजी करमदीन ने जम्मू-कश्मीर के रियासी में मतदान किया।

एक व्यक्ति, उसका बेटा और पोतियां, जो तीन पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, वोट डालने के लिए जालोर के सांकंद में एक मतदान केंद्र पर पहुंचे। उन्होंने मतदान केंद्र पर सेल्फी प्वॉइंट पर तस्वीरें भी लीं।

गूगल ने लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण को अपने होमपेज पर एक रंगीन डूडल के साथ चिह्नित किया, जिसमें अमिट स्याही लगी तर्जनी को दर्शाया गया, जो इस बात का संकेत देता है कि किसी व्यक्ति ने मतदान किया है। महाराष्ट्र के परभणी लोकसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों की कमी जैसे मुद्दों पर ग्रामीणों द्वारा चुनाव बहिष्कार की खबरें भी आई हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा लोकसभा क्षेत्र और त्रिपुरा के त्रिपुरा ईस्ट लोकसभा क्षेत्र के कुछ लोगों ने भी मतदान का बहिष्कार किया। चामराजनगर जिले के पारंपरिक हाथ से बुने हुए रेशमी कपड़ों को बढ़ावा देने के लिए, आठ महिला चुनाव अधिकारी मतदान केंद्रों पर विशेष रूप से डिजाइन की गई साड़ियां पहनकर गईं। उनकी साड़ियों पर चुनावना पर्व-देशदा गरवा (चुनाव का त्योहार देश का गौरव है) भी अंकित था।

महाराष्ट्र के अमरावती में वोट डालने के लिए भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा मोटरसाइकिल से मतदान केंद्र पहुंचे।

मतदान बढ़ाने के लिए अनूठा तरीका, वोट देने पर मक्खन डोसा मुफ्त

बेंगलुरु। बेंगलुरु में शुक्रवार को अलग-अलग रेस्तरां के बाहर लंबी-लंबी कतारें दिखाई दीं, जहां लोकसभा चुनाव में मतदान करने वाले मतदाताओं को मुफ्त डोसा, लड्डू, कॉफी और अन्य खाद्य उत्पादों पर छूट दी जा रही है। बृहत् बैंगलोर होटल एसोसिएशन (बीबीएचए) से संबंधित कई रेस्तरां शहर में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने को लेकर ये अनूठी पहल लेकर आये। इनमें से कुछ रेस्तरां लोकसभा चुनावों में मतदान करने वाले मतदाताओं को या तो मुफ्त में खाना दे रहे हैं या फिर बिल में छूट की पेशकश कर रहे हैं। कर्नाटक की 28 लोकसभा सीट में से 14 पर आज मतदान हो रहा है, जिनमें बेंगलुरु साउथ, सेंट्रल, नॉर्थ और ग्रामीण लोकसभा सीट भी शामिल हैं। यहां नृपतुंगा मार्ग पर स्थित निसर्ग ग्रांड होटल ने वोट माडी, ऊटा माडी (वोट डालें और भोजन करें) अभियान के तहत मतदान करने वाले मतदाताओं को अपनी स्याही लगी उंगली दिखाने पर मुफ्त बटर डोसा, लड्डू और जूस दिया। बीबीएचए के अध्यक्ष पीसी राव ने पिछले लोकसभा चुनावों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले चुनाव में बेंगलुरु में मतदान केवल 54 प्रतिशत (औसत से काफी कम) रहा था जबकि शहर में शिक्षित और युवा मतदाताओं की अच्छी संख्या है लेकिन तब भी बहुत कम मतदान हुआ था। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, इसलिए हमने इस अनूठी पहल की घोषणा की। इसका मतलब यह नहीं है कि बेंगलुरु के लोगों के पास पैसे नहीं हैं। उनके पास बहुत पैसा है लेकिन फिर भी वोट करने नहीं आते। इसलिए हम (कुछ) होटल मुफ्त खाना और कॉफी दे रहे हैं जबकि कुछ 20 से 30 फीसदी की छूट के साथ खाना दे रहे हैं। निसर्ग ग्रांड होटल को देखने के बाद उन्होंने कहा कि इस अभियान के हिस्से के रूप में करीब दो हजार लोगों ने मुफ्त बटर डोसा, लड्डू खाया और जूस पिया।

महिला अधिकारियों ने लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने वाले संदेश लिखी साड़ियां पहनीं

चामराजनगर। कर्नाटक के चामराजनगर जिला प्रशासन की आठ वरिष्ठ महिला अधिकारियों ने शुक्रवार को विशेष रूप से डिजाइन की गई रेशम की साड़ियां पहनीं, जिनमें मतदान के लिए प्रेरित करने वाले संदेश लिखे थे। इस पहल के लिए इन महिला अधिकारियों की खूब प्रशंसा की जा रही है। चामराजनगर कर्नाटक के उन 14 लोकसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां शुक्रवार को मतदान हो रहा है। इन आठ महिला अधिकारियों में चामराजनगर की उपायुक्त शिल्पा नाग भी शामिल हैं, वह चामराजनगर लोकसभा क्षेत्र की चुनाव अधिकारी भी हैं। उनकी साड़ी में 'चुनावना पर्वा-देशादा गरवा' (चुनाव का पर्व देश का गौरव है) संदेश लिखा है। नाग ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, 'हाथ से बुनी रेशम की साड़ियां पारंपरिक बुनकरों और बुनाई उद्योग को बढ़ावा देने के लिए और मतदान के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए हैं...।' संदेश युक्त साड़ियां पहनने वाली अधिकारियों में एक अतिरिक्त आयुक्त, तीन सहायक निर्वाचन अधिकारी और दो तहसीलदार शामिल हैं।